सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 296 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 4 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

जो कल करना है उसे आज करो और जो आज करना है उसे अभी करो, कुछ ही समय में जीवन खत्म हो जायेगा फिर तुम क्या कर पाओगे!!
-कबीर दास जी

अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के... 7 | फिर एक बार तेवर में आएगी... 3 | एसआईआर में लगे यादव और... 2

रूस-भारत संबध
कितने दूर कितने पास

रूस भारत के साथ व्यापार 5 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

फीसदी सुखोई-57 की तकनीक रूस पहले से ही भारत को देने को तैयार

- पुतिन दौरे को खटाई में डालने की कोशिश!
- गिरता रुपया, भारतीय नेताओं की नंगी तस्वीरें की धमकी के बीच पुतीन का भारत दौरा
- व्यापार, तेल, और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहमति के बीच अमेरिका का लाल आखें
- भारत की कूटनीति अर्थव्यवस्था और प्रतिष्ठा एक साथ निशाने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सियासत आज तीन मोर्चों पर एक साथ तप रही है। रुपया रिकॉर्ड गिरावट पर, भारतीय नेताओं की कथित नंगी तस्वीरों को पश्चिमी मीडिया द्वारा वायरल करने की धमकी और इन सबके बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दो दिवसीय भारत दौरा।

बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सब महज संयोग है या भारत पर पुतिन के दौरे के ठीक पहले दबाव बनाने का सुनियोजित प्रयोग? दुनिया की राजनीति में आज युद्ध मिसाइलों से नहीं, मुद्रा, मीडिया और मर्यादा से लड़ा जा रहा है। रुपया नीचे जाए तो निवेशक डरते हैं, नेता बदनाम हो जाएं तो नैरेटिव टूटता है और अगर दोनों साथ-साथ हों तो मेज पर होने वाली कूटनीतिक बातचीत की कुर्सी कमजोर हो जाती है। पुतिन भारत में हैं और यही वह क्षण है जब भारत की कूटनीति, अर्थव्यवस्था और प्रतिष्ठा एक साथ निशाने पर हैं।

व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने का इरादा

रूस भारत के साथ अपने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के इरादे से आगे बढ़ रहा है। इसकी एक वजह अमेरिका भी है। रूस भारत के साथ व्यापार 5 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। वहीं डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए भारत और रूस अपनी करेंसी में व्यापार करने के बारे में भी सोच रहे हैं।

कहानी साफ है लेकिन बोलने की हिमत नहीं जुटा पा रहा

कहानी क्रिस्टल क्लियर है लेकिन कोई जोर से बोलने की हिम्मत नहीं कर रहा। भारत रूस के साथ डॉलर मुक्त व्यापार ऊर्जा सौदों और नई भुगतान व्यवस्था पर बात करने जा रहा है। ठीक उसी समय रुपया टूट रहा है पश्चिमी मीडिया धमकियां दे रहा है और देश के भीतर भ्रम फैलाया जा रहा है। सवाल है कि यह किसका खेल है यह किसके लिए खेला जा रहा है और भारत झुकेगा या टिकेगा? इतिहास गवाह है – हर बार जब भारत रणनीतिक स्वायत्तता लेने की कोशिश करता है दुनिया हस्तक्षेप करती है। आज वही अध्याय फिर खुला है बस हथियार बदल गए हैं। क्या एक बार फिर भारत बैक कर जाएगा? क्या अमेरिका के टैरिफ अटैक के आगे पूर्व की भांति यूटर्न लेगा क्योकि इससे पूर्व में भी भारत रूस एक नई दिशा में आगे बड़ रहे थे लेकिन अमेरिकन दादागिरी के बाद भारत ने यूटर्न लिया और बात अधर में लटक गयी। इस बार खुद पुतीन भारत आये हैं और पुतीन के दौरे के बाद अमेरिकन प्रेसीडेंट ट्रम्प का भारत दौरा प्रस्तावित है।

“एस-30 के आधुनिकीकरण पर भी बात हो सकती है”

क्या-क्या प्रस्तावित है

यूक्रेन के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से रूसी राष्ट्रपति का ये पहला भारत दौरा है। ऐसे में इसे कई मायनों में खास माना जा रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन के बीच रक्षा सहयोग पर चर्चा संभव है। इसके अलावा सुरक्षा, व्यापार, तेल, और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में दोनों नेताओं के बीच बातचीत हो सकती है। रूस के सुखोई-400 की नई खेप को लेकर दोनों नेताओं के बीच वार्ता हो सकती है। बता दें, एस400 को लेकर भारत और रूस के बीच 2018 में 5 अरब डॉलर की डील हुई थी। इसके तहत एस-400 के 5 यूनिट भारत को मिलने वाले थे, जिनमें से 3 डिलीवर हो चुके हैं। ऐसे में नई खेप को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

इसके अलावा भारत नई तकनीकों से लैस एस-500 खरीदने पर विचार कर रहा है। ऐसे में एस-500 को लेकर दोनों नेताओं की बातचीत संभव है। सुखोई-57 की अगर बात करें, तो रूस पहले से ही इसकी 70 फीसदी तकनीक भारत को देने को तैयार है। ऐसे में संभव है कि इस पर भी चर्चा हो। अगर बात बन जाती है, तो आने वाले समय में भारत एस-57 अपने ही देश में बना सकेगा। वहीं एस-30 के आधुनिकीकरण पर भी बात हो सकती है।

एसआईआर में लगे यादव और मुस्लिम कर्मियों को बर्खास्त न किया जाए : सपा

» पार्टी ने चुनाव आयोग से की अपील-जाति के आधार पर न करें भेदभाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । सपा ने निर्वाचन आयोग पर भेदभाव का आरोप लगाया है। सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शिकायती ज्ञापन देकर मांग की है कि उत्तर प्रदेश में 403 विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर प्रक्रि या से जुड़े और मतदाता पंजीकरण केंद्र (वीआरसी) में कई वर्षों से कार्यरत यादव और मुस्लिम कर्मचारियों को जाति के आधार पर सेवा से बर्खास्त न किया जाए।

बर्खास्त कर्मचारियों को बहाल कर के एसआईआर प्रक्रिया में उनकी सेवाएं ली जाएं, ताकि निष्पक्षता और पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही कहा है कि प्रयागराज में प्रतापपुर, सोरांव, हंडिया, फाफामऊ व फूलपुर विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को थर्ड ऑप्शन में सब्मिट किए जाने की जांच करवाकर मानक के अनुसार मतदाताओं के गणना प्रपत्र को फर्स्ट या सेकेंड ऑप्शन में सबमिट कराया जाए, जिससे वैध मतदाताओं को अनावश्यक रूप से दस्तावेज जमा करने के लिए नोटिस न भेजी जाए। रायबरेली, गोंडा व जौनपुर आदि की शिकायतों को संज्ञान में लेकर तत्काल कार्यवाही की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े 403 विधान सभा क्षेत्रों में स्थापित मतदाता पंजीकरण केंद्र पर कई वर्षों से कार्यरत यादव और मुस्लिम कम्प्यूटर ऑपरेटरों को भाजपा सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक व नेताओं के दबाव में जाति के आधार पर निकाला जा रहा है। फर्रूखाबाद में मतदाता पंजीकरण केंद्र (वीआरसी) पर कार्य कर रही टीनम यादव को बर्खास्त कर दिया है। ऐसा कई कर्मियों के साथ किया गया है। ज्ञापन देने वालों में सपा के प्रदेश सचिव केके श्रीवास्तव और राधेश्याम सिंह शामिल थे।

वोट का अधिकार छीनने के बाद खत्म हो जाएगा आरक्षण : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर भाजपा सरकार अपनी विफलता छुपाने के लिए करा रही है। हमारी अपील है कि सब अपना वोट बनवाएं, कटने से बचाएं, वरना भाजपा बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान के अधिकार को छीनने की तैयारी में है। वोट का अधिकार छिना तो आरक्षण भी खत्म होगा। जनता के तमाम दूसरे अधिकार जो संविधान से मिल रहे हैं, वे भी छिन जाएंगे। अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि चुनाव आयोग का काम है कि सभी मतदाताओं का मतदान का अधिकार बना रहे और किसी का वोट कटे नहीं। लेकिन यहां तो उल्टा हो रहा है। भाजपा सरकार के दबाव में चुनाव आयोग वोट काटने का काम ज्यादा कर रहा है। बिहार में एसआईआर में लाखों लोग मतदान से वंचित हो गए। उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में चुनाव इस वर्ष होने नहीं जा रहे हैं, फिर इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का काम जनता को रोटी-रोजगार देना नहीं, लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाकर परेशान करना है। कई लोगों को वर्षों से न्याय नहीं मिल रहा है। मो.आजम खां, गायत्री प्रजापति और रमाकांत यादव जेल में हैं। ऐसे बहुत सारे समाजवादी व पीडीए परिवार के लोग है, जिनके ऊपर अन्याय हो रहा है। झूठे मुकदमे लगाए जा रहे हैं।

तेजस्वी के सदन में न आने पर घमासान

» जदयू और राजद में वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नेता प्रतिपक्ष विधान मंडल नहीं पहुंचे, जिसको लेकर जदयू के मुख्य प्रवक्ता ने उनपर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि जिनके परिवार की सुरक्षा के लिए 160 पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं, वे स्वयं सदन में दिखाई नहीं दे रहे। आखिर कहां गायब हो गए तेजस्वी यादव इस खबर के प्रकाशित होने के बाद देर शाम राजद ने भी पलटवार करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी।

जवाब में बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि जिस तरह की राजनीति जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार जी आप करते हैं, ऐसा लगता है कि आपके राजनीति का एकमात्र आधार और सोच तेजस्वी प्रसाद यादव ही हैं। आप वास्कोडिगामा की तरह तेजस्वी यादव की खोज में मत लगिए, बिहार की जनता के हित में उनको बुलडोजर नीति से बचाइए। हालांकि आज भी नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सदन में आने का इंतजार जरुर किया जायेगा।

मतगणना स्थगित होने से भाजपा सरकार को ईवीएम से छेड़छाड़ करने का मिलेगा मौका : पृथ्वीराज चव्हाण

» निकाय चुनाव को लेकर कर्नाटक से लेकर महाराष्ट्र तक रार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। निकाय चुनाव को लेकर कर्नाटक से लेकर महाराष्ट्र तक रार मची है। कहीं मतगणना टालने को लेकर भाजपा पर हमला हो रहा है तो कहीं मतदान वाले दिन छुट्टी देने को लेकर बवाल मचा हुआ। दोनों राज्यों में कांग्रेस ने सवाल उछाला है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव की मतगणना स्थगित होने से सरकार को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ करने का पर्याप्त समय मिल जाएगा। महाराष्ट्र में 263 नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के लिए पहले चरण में मंगलवार को 67.63 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि धुले जिले में एक स्थानीय निकाय के अध्यक्ष और पार्षद निर्विरोध चुने गए।

मुंबई उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ ने महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को सभी स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना तीन दिसंबर के बजाय 21 दिसंबर को कराने का मंगलवार को निर्देश दिया। चव्हाण ने इस संबंध में कहा, (ईवीएम वाले) बक्से 16-17 दिनों तक कुछ गोदामों में रखे रहेंगे और सरकार को उनके साथ छेड़छाड़ करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लोगों का चुनावी प्रक्रिया से विश्वास उठ रहा है।

स्थानीय निकाय चुनावों में मतदान के लिए केरल के कर्मचारियों को छुट्टी मिले : डीके शिवकुमार

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राज्य भर के नियोक्ताओं से अनुरोध किया कि वे केरल के कर्मचारियों को सवेतन अवकाश प्रदान करें, ताकि वे अपने गृह राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में मतदान के लिए जा सकें। केरल में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए नौ और 11 दिसंबर को मतदान होना है। केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा कि बड़ी संख्या में केरल निवासी बेंगलुरु और कर्नाटक के अन्य हिस्सों में रहते व काम करते हैं। उन्होंने सभी कंपनियों, शैक्षणिक संस्थानों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, होटलों, ठेकेदारों, बिल्डरों, दुकान मालिकों और अन्य व्यवसाय संचालकों से आग्रह किया कि वे पात्र मतदाताओं को न्यूनतम तीन दिन का सवेतन अवकाश प्रदान करें।

सुरक्षा व्यवस्था की वजह से बसपा की रैली रद्द

» 6 दिसंबर को नोएडा में होनी थी मायावती की जनसभा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आगामी 6 दिसंबर को संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर नोएडा में प्रस्तावित रैली को संबोधित नहीं करेंगी। वह अपने आवास पर ही डॉ. आंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगी।

बसपा सुप्रीमो का कहना है कि ऐसे आयोजनों में उनकी सुरक्षा व्यवस्था की वजह से कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को होने वाली असुविधा की वजह से यह फैसला लिया है। बसपा सुप्रीमो ने जारी अपने बयान में कहा कि महापुरुषों की जयंती व पुण्यतिथि के मौकों पर बहुजन समाज के संतों, गुरुओं व महापुरुषों स्मारक स्थलों पर भीड़ उमड़ती है। इस दौरान मेरा अनुभव रहा है कि मेरे जाने पर मेरी सुरक्षा प्रबंध के नाम पर जो सरकारी व्यवस्था की जाती है, जो जरूरी भी है, उससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर की पुण्यतिथि पर पार्टी के लोग व उनके अनुयायी लखनऊ के डॉ. भीमराव आंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल पर तथा पश्चिमी यूपी, दिल्ली व उत्तराखंड के लोग नोएडा में स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर अपने परिवार सहित पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

किसानों के नुकसान पर ध्यान नहीं दे रही सरकार: झंडेवाले

» मप्र में सत्र शुरू होते ही कांग्रेस विधायकों ने किया वॉकआउट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। विधानसभा के प्रश्नकाल में कांग्रेस विधायक बाबू झंडेवाले ने आरोप लगाया कि शिवपुरी जिले के किसानों को वादा किए गए 16 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर मुआवजे का भुगतान अभी तक नहीं हुआ। इस पर राजस्व मंत्री ने जवाब दिया कि 200 करोड़ रुपये किसानों को दिए जा चुके हैं। मंत्री के उत्तर से असंतुष्ट नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नुकसान का कुल आकलन 5 हजार करोड़ है, लेकिन सरकार ने सिर्फ 200 करोड़ रुपये दिए हैं।

इस पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बोलते हुए कहा कि धान नुकसान का रिकॉर्ड सरकारी प्रणाली में उपलब्ध है और राशि का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार की तुलना में वर्तमान सरकार किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिक मुआवजा दे रही है। कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार ने कहा कि ग्वालियर चंबल संभाग में अतिवृष्टि से फसल नुकसान पर झूठे जवाब दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ तीन किसानों की फसल को नुकसान होने की जानकारी दी जा रही है। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने झूठे जवाब देने की बात पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह आसंदी का अपमान है। यह बात सदन के अंदर और बाहर दोनों जगह कही जा रही है। यह ठीक नहीं है।

विधायक बोले- बंदर की तरह उस्तरा चला रही सरकार

विधानसभा सत्र के तीसरे दिन की शुरुआत होते ही कांग्रेस का प्रदर्शन हो गया। इस बार विधायक बंदर का रूप लेकर पहुंचे। बोले सरकार जनता पर बंदर की तरह उस्तरा चला रही। युवाओं में बेरोजगारी है, किसान परेशान हैं और लड़कियां सुरक्षित नहीं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में विधानसभा सत्र के तीसरे दिन कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा परिसर में सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में किया जोरदार प्रदर्शन। कांग्रेस विधायकदल ने बंदर के हाथ में उस्तरा वाली कहावत का सांकेतिक प्रदर्शन किया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बंदर रूपी भाजपा सरकार के हाथ में उस्तरा आ गया है, जिससे वह युवाओं के रोजगार, प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, कानून व्यवस्था और किसानों के अधिकारों पर उस्तरा चला रही है।

फिर एक बार तेवर में आएगी कांग्रेस

मोदी सरकार को एसआईआर पर पीछे धकेला

- बिहार हार के बाद पार्टी बदलेगी रणनीति
- सरकार को फिर घेरेंगे राहुल-प्रियंका
- संसद के शीतकालीन सत्र में दिखा दम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में करारी हार से निराश कांग्रेस एक बार फिर पूरे जोश में आने लगी है। जीत से उत्साही भाजपा पर वह किसी भी प्रकार से रहम करने के मूड में नहीं है। संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ हो चुका है। एसआईआर व देश भर में बीएलओ की मौत केमामलों को सड़क पर तो जोर-शोर से उठा रही ही है अब संसद में जोरदार तरीके से रख रही है। उसका साथ उसक सहयोगी दल भी दे रहेहैं। उसके इस तीखे वार का ही असर है एसआईआर मुद्दे पर सरकार बैकफुट पर आ गई और 9 दिसंबर चर्चा करवाने को तैया है। इस तरह से सरकार को झुकाने में कांगेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,नेता प्रतिपक्ष राहुलगांधी व सांसद प्रियंका गांधी की महत्वपूर्ण भूमिका है। सियासी रणनीतिकारों का मानना है कि कांग्रेस अगले साल होने वाले पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में अके ले ही कड़े तेवर से भाजपा का मुकाबला करने की रणनीति पर विचार कर सकती है।

वहीं शीतकालीन सत्र में प्रियंका गांधी ने सरकार पर चर्चा से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि सार्थक विमर्श के बिना सदन कैसे चलेगा। दिल्ली के प्रदूषण पर पीएम की टिप्पणी की भी आलोचना की। सत्ता पक्ष ने विपक्ष पर नारेबाजी से सत्र बाधित करने का आरोप लगाया। मणिपुर जीएसटी संशोधन विधेयक पेश हुआ, जिसका क्रियान्वयन राज्य में विलंबित हुआ। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को संसद के चल रहे शीतकालीन सत्र को लेकर केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की और उस पर सदन में सभी सार्थक चर्चाओं से बचने का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि अगर सरकार विपक्ष द्वारा उठाए गए एक भी मुद्दे पर बातचीत करने से इनकार कर दे, तो संसद कैसे चलेगी। पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस सांसद ने कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं चाहती। फिर सदन कैसे चलेगा? उन्हें कम से कम हमारी एक बात तो सुननी चाहिए। अगर 'सर' पर नहीं, तो चुनाव सुधारों या किसी अन्य संबंधित मुद्दे पर चर्चा की जा सकती है। अगर वे किसी मुद्दे पर चर्चा नहीं करेंगे, तो सदन कैसे चलेगा?

पहले दिन बार-बार नारेबाजी से बाधा

संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन बार-बार नारेबाजी हुई, सत्ता पक्ष ने आरोप लगाया कि विपक्षी सांसद सदन को चलने नहीं दे रहे हैं। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच सदन की कार्यवाही कुल तीन बार स्थगित हुई और लगभग 50 मिनट का ही विधायी कार्य हुआ। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 को विचार और पारित करने के लिए सदन में पेश किया। केंद्रीय वित्त मंत्री ने बार-बार हो रही नारेबाजी के बीच सदन में कहा कि केंद्र सरकार ने 2017 के केंद्रीय वस्तु एवं सेवा अधिनियम, विशेष रूप से वित्त अधिनियम 2025 की धारा 121 से 134 में संशोधन किया है। इसे संसद द्वारा पारित किया गया और 2024 में अधिनियमित किया गया। आधे से ज्यादा राज्यों द्वारा अपने जीएसटी को अद्यतन करने के बाद ये परिवर्तन अक्टूबर 2025 से लागू भी हो गए। लेकिन दुर्भाग्य से मणिपुर में जीएसटी समय पर लागू नहीं हो सका क्योंकि राज्य विधानसभा निलंबित थी। इस बीच, अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे सांसद कृष्ण प्रशांत टेनेटी ने विपक्षी सांसदों से शिष्टाचार बनाए रखने और अपनी सीटों पर वापस जाने का आग्रह किया, जहाँ उनकी बात ठीक से सुनी जा सके।

प्रदूषण जैसे मुद्दे भी उठाएं सांसद

प्रियंका वाड्रा ने कहा हमें प्रदूषण जैसे अन्य मुद्दों पर भी चर्चा करनी चाहिए। हमें कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा करनी चाहिए। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही, बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में धुंध की एक मोटी परत छा गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह 7 बजे 376 AQI के साथ शहर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने बुधवार को कहा कि संसद को देश के कई हिस्सों में बिगड़ती वायु गुणवत्ता को भी अपने कार्यसूची में शामिल करना चाहिए और इस पर चर्चा करनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए, प्रियंका वाड्रा ने कहा हमें प्रदूषण जैसे अन्य मुद्दों पर भी चर्चा करनी चाहिए। हमें कई अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा करनी चाहिए। सर्दियों की शुरुआत के साथ ही, बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में धुंध की एक मोटी परत छा गई

प्रियंका वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किया प्रहार

प्रियंका वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस टिप्पणी पर भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने सभी को मौसम का आनंद लेने की सलाह दी थी। दिल्ली में बिगड़ते प्रदूषण का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सभी से मौसम का आनंद लेने को भी कहा। दिल्लीवासियों को किस मौसम का आनंद लेना चाहिए? उन्हें थोड़ा बाहर झाँककर देखना चाहिए कि देश में क्या हो रहा है। इस बीच, संसद के निचले सदन, लोकसभा की कार्यवाही सोमवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई ।

डॉ. सर्वपल्ली के विचार से चले सीपी राधाकृष्णन : खरगे

सीपी राधाकृष्णन के कांग्रेस से संबंध का हवाला देते हुए, खरगे ने कहा कि उनके चाचा सीके कुप्पुस्वामी उनकी पार्टी से सांसद थे। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन द्वारा की गई मूल्यवान टिप्पणियाँ आज भी प्रासंगिक हैं। आपने न केवल उनके समान पद ग्रहण किया, बल्कि आपका नाम भी उनके समान है। मुझे आशा है कि आप भी उनके जैसे ही विचार रखते होंगे। आपके चाचा सीके कुप्पुस्वामी कांग्रेस के सदस्य रहे हैं और तीन बार लोकसभा के लिए चुने गए हैं। कांग्रेस संवैधानिक मूल्यों और समय-सम्मानित संसदीय प्रक्रियाओं के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कृपया सदन की कार्यवाही के संचालन में हमारे सहयोग और सदन के प्रत्येक सदस्य, चाहे वे विपक्ष के हों या सत्ता पक्ष के, को उचित अवसर प्रदान करने के प्रति आश्वस्त रहें। पूर्व उपराष्ट्र पति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को याद करते हुए उन्होंने कहा कि सदन को उन्हें विदाई देने का अवसर नहीं मिला। उन्होंने कहा कि मैं आपके पूर्ववर्ती के राज्यसभा के सभापति पद से अचानक हुए त्यागपत्र का उल्लेख करने के लिए बाध्य हूँ, जो अभूतपूर्व था। सदन के संरक्षक के रूप में सभापति का दायित्व जितना सरकार का है, उतना ही विपक्ष का भी है। मुझे इस बात का दु:ख है कि सदन को उन्हें विदाई देने का अवसर नहीं मिला। मैं उनके स्वस्थ जीवन की कामना करता हूँ। हमें विश्वास है कि आप निष्पक्ष रहेंगे।

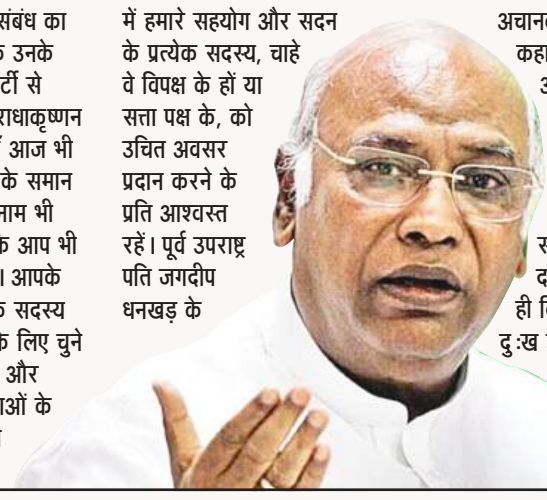

कांग्रेस अध्यक्ष ने उपसभापति राधाकृष्णन को लेकर बीजेपी को घेरा

राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने नए सभापति सी.पी. राधाकृष्णन का स्वागत करते हुए भाजपा पर कटाक्ष किया, यह याद दिलाते हुए कि निष्पक्षता संसदीय लोकतंत्र के लिए कितनी महत्वपूर्ण है। खरगे ने पूर्व उपरापति सर्वपल्ली राधाकृष्णन का हवाला देते हुए कहा कि सभापति किसी पार्टी के नहीं, बल्कि सभी के होते हैं, और यह आशा व्यक्त की कि उपराष्ट्रति सी.पी. राधाकृष्णन भी निष्पक्षता बनाए रखेंगे। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रति धनखड़ के इस्तीफे पर खेद भी व्यक्त किया, क्योंकि सदन उन्हें विदाई नहीं दे सका। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उपराष्ट्रति सी.पी. राधाकृष्णन का सदन के सभापति के रूप में स्वागत किया और उनसे अपने कार्यकाल के दौरान पक्षपातपूर्ण व्यवहार न करने का आग्रह किया। संसद के उच्च सदन को संबोधित करते हुए, खड़गे ने भाजपा पर कटाक्ष करने के लिए भारत के पहले उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि मैं आज अपनी ओर से और सभी विपक्षी सदस्यों की ओर से आपको राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई देता हूँ। कांग्रेस अध्यक्ष ने आगे कहा कि राज्यसभा की कार्यवाही के सुचारू संचालन की भारी जिम्मेदारी सभापति पर होती है। मैं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उद्धृत करना उचित समझता हूँ। अपने स्वीकृति भाषण में उन्होंने कहा था, मैं किसी दल से नहीं हूँ, यानी मैं इस सदन की हर पार्टी से हूँ। संसदीय लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं को बनाए रखने और हर दल के प्रति निष्पक्षता और निष्पक्षता से पेश आने का मेरा प्रयास रहेगा। किसी के प्रति दुर्भावना और सभी के प्रति सद्भावना के साथ। अगर कोई लोकतंत्र विपक्षी समूहों को सरकार की नीतियों की निष्पक्ष और स्पष्ट आलोचना करने की अनुमति नहीं देता है, तो वह अत्याचार में बदल जाएगा। मैं इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि कुछ लोग कहते हैं कि आप उनकी पार्टी के हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सोनिया गांधी का अरावली पहाड़ियों पर चिंता जायज

कांग्रेस संरक्षक व सांसद सोनिया गांधी ने अरावली पहाड़ियों को लेकर एक लेख लिखा है। उन्होंने वहां परहो रहे अवैध खनन को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर हो रही पर्यावरण नियमों की अनदेखी पर भी अपनी बात रखी है। एनडीए सरकार वरिष्ठ सांसद की बातों का ध्यान देना चाहिए। वाकई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा ने पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाने का खतरा पैदा कर दिया है। अरावली पर्वत श्रृंखलाएं दिल्ली से लेकर गुजरात और हरियाणा-राजस्थान तक फैली हुई हैं। बरसों से अवैध निर्माण व खनन गतिविधियों ने इन श्रृंखलाओं का पहले ही खूब क्षरण हो चुका है। दो साल पहले आई वन संरक्षण रिपोर्ट के मुताबिक अरावली का तीस प्रतिशत वन क्षेत्र पिछले कुछ दशकों में ही लुप्त हो चुका है। हर साल इन्हीं कारणों से यहां हरियाली भी घटती जा रही है। यह भी एक तथ्य है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण और बढ़ते तापमान की बड़ी वजह प्रकृति से किया जा रहा खिलवाड़ ही है।

केंद्र सरकार के पैनल ने अरावली पर्वत श्रृंखला की जो नई परिभाषा सुप्रीम कोर्ट में पेश की उसे स्वीकार करने से दिल्ली-एनसीआर को रेगिस्तान बनने का नया खतरा पैदा होने की आंशका बन गई है। इस सिफारिश में कहा गया है कि 100 मीटर या उससे अधिक ऊंची पहाडियों को ही अरावली माना जाएगा। जाहिर है वन क्षेत्र होने के कारण जिन हिस्सों में निर्माण गतिविधियां व खनन पर रोक लगी हुई थी वहां अब न केवल निर्माण बल्कि खनन का रास्ता भी साफ हो जाएगा। नई परिभाषा राजस्थान की अरावली पर्वतमाला के लिए भी संकट का कारण बन जाएगी। अरावली पर्वतमाला के कई गांवों में तो अवैध खनन के कारण पहाड़ खोखले हो गए हैं और कई जगहों पर तो ये लुप्त ही हो गए। इतना ही नहीं, कहीं वन भूमि पर आबादी पसर गई है तो कहीं सरकारों ने ही नियम-कायदों में गलियां निकालकर उद्योग-धंधों तक की अनुमति दे दी है। नतीजतन भूजल स्तर में गिरावट और जैव विविधता का नाश जैसे खतरे पैदा हो गए हैं। सुप्रीम कोर्ट की मंशा निश्चित ही अवैध खनन और निर्माण पर निगरानी की रही है, लेकिन नीतियां तय करते वक्त पर्यावरण संरक्षण की अनदेखी नहीं हो इसका संबंधित पक्षों को ध्यान रखना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का वह फैसला भी सबके सामने है जब उसने हरियाणा में वन क्षेत्र में अतिक्रमण कर बने मकानों को हटाने के निर्देश दिए थे। तब भी कोर्ट ने कहा था कि जंगल की जमीन से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। देशभर में वन भूमि ही नहीं नदी-नालों तक पर अतिक्रमण है।

“ एनडीए सरकार वरिष्ठ सांसद की बातों का ध्यान देना चाहिए। वाकई अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा ने पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचाने का खतरा पैदा कर दिया है। अरावली पर्वत श्रृंखलाएं दिल्ली से लेकर गुजरात और हरियाणा-राजस्थान तक फैली हुई हैं। बरसों से अवैध निर्माण व खनन गतिविधियों ने इन श्रृंखलाओं का पहले ही खूब क्षरण हो चुका है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अदूरदर्शी नीतियों से उपजा प्रदूषण संकट

डॉ. वीरेंद्र लाथर

वर्तमान में दिल्ली की जनसंख्या लगभग 3.46 करोड़ और जनसंख्या घनत्व लगभग 27,000 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। आजादी के बाद, अदूरदर्शी सरकारी तंत्र ने दिल्ली को औद्योगिक नगरी बना दिया, जिसके परिणामस्वरूप यह दुनिया भर में सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी बन गई। वर्ष 1901 में दिल्ली की जनसंख्या 4 लाख थी, जो 1947 में केवल 7 लाख हुई, लेकिन अगले 4 वर्षों में ही दुगनी से अधिक होकर 17 लाख हो गई। वर्ष 1951 की जनगणना के अनुसार, दिल्ली की कुल जनसंख्या 17,44,072 में से 10,26,762 लोग दिल्ली के बाहर पैदा हुए थे। सरकार ने शरणार्थियों को बसाने और उनके पुनर्वास व रोजगार आदि देने के लिए मुफ्त और रियायती दरों पर मकान, दुकान, उद्योग, बिजली, सस्ते ऋण आदि जैसी सुविधाएं प्रदान की।

उद्योग और वाणिज्य क्षेत्र को दी गई भारी रियायतों और बेहतर रोजगार सुविधाओं की बदौलत, आजादी के बाद दिल्ली में प्रवासी जनसंख्या प्रत्येक दशक में लगभग दुगनी होती गई। अगस्त, 2025 में लगभग 73 लाख यानी 21 प्रतिशत दिल्लीवासी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन में मुफ्त राशन ले रहे हैं, जो राजधानी की गरीबी की पोल खोल रहे हैं। कई हजार अवैध गंदी बस्तियों, झुग्गी-झोपड़ी कॉलोनियों का जमावड़ा, भीड़-भाड़ वाली टूटी-फूटी धूल से भरी सड़कें, प्रदूषित वायु और यमुना का प्रदूषित पानी, अब दिल्ली की पहचान बन गए हैं। दिल्ली में 1950 तक, केवल 8 हजार छोटे-बड़े उद्योग थे, जो 2021-22 में बढ़कर 8.75 लाख और वर्ष 2025 में एक मिलियन से ज्यादा हो गए। इनमें 40 लाख से ज्यादा लोग कार्यरत हैं, जो दिल्ली में कर्मचारियों की कुल संख्या का लगभग 30 प्रतिशत हैं। फरवरी, 2025 के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में लगभग 39 लाख पेट्रोल-डीजल चलित और 57 लाख इलेक्ट्रिक वाहन हैं। जबकि दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 3.3 करोड़ पेट्रोल-डीजल से चलने वाले वाहन हैं। दिल्ली के दोषपूर्ण शहरीकरण नियोजन मॉडल को अपनाकर पड़ोसी राज्यों ने भी 90 किलोमीटर घेरे में 50 से ज्यादा औद्योगिक नगर बसाकर, दिल्ली में प्रदूषण को कई गुणा बढ़ाया है।

प्रेस सूचना ब्यूरो द्वारा 31 दिसंबर, 2024 को दिए आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वार्षिक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक कोविड वर्ष 2020 को छोड़कर कई दशकों से खराब श्रेणी में रहा है। जहां मानसून वर्षा के 3 महीनों (जुलाई-सितंबर) को छोड़कर पूरे वर्ष

एक्यूआई 200 से ज्यादा रहता है, और अक्टूबर महीने में मानसून वापसी पर वायु गति कम होने से एक्यूआई 300 के पार चला जाता है, और सर्दी के 4 महीनों नवम्बर-फरवरी में हिमालय से आने वाली ठंडी हवाओं से तापमान गिरने के कारण, प्रदूषण के कणों का घनत्व वायुमंडलीय निचली सतह पर बढ़ जाने से वायु प्रदूषण बहुत गंभीर होकर जीवों की जान को खतरा बन जाता है। आईपीसीसी के अनुसार, दिल्ली में कुल वायु प्रदूषण में अकेले वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का योगदान लगभग 72 प्रतिशत है, जबकि उद्योग, सड़कों और निर्माण गतिविधियों से उत्सर्जन होने वाला धुआं-धूल और दूषित जल आदि दूसरे मुख्य कारक हैं। वैज्ञानिक तथ्यों के विपरीत, कई दशकों से सरकारी तंत्र दिल्ली में वायु प्रदूषण के लिए किसान और धान पराली को खलनायक के रूप में प्रचारित करके, वायु प्रदूषण के असली गुनहगार वाहन-उद्योग को बचा रहा है। भारत सरकार के वायु गुणवत्ता जांच केंद्र के अध्ययन के अनुसार वर्ष 2025 में 26 नवम्बर तक (330 दिन), दिल्ली के वायु प्रदूषण में पराली का योगदान लगभग नगण्य रहा, जो सिर्फ 4 दिन 10 प्रतिशत से अधिक रहा है। सरकार करोड़ों रुपये वार्षिक व्यय करके, अव्यावहारिक एक्स सीटू विधि (खेत से पराली के बंडल बनाकर उद्योग में उपयोग), बायोडीकंपोजर छिड़काव से पराली प्रबंधन आदि से किसानों को भ्रमित कर रही है। 6 नवंबर, 2025 को, हरियाणा के मुख्य सचिव ने अपनी रिपोर्ट में स्वीकार किया कि प्रदेश में 40 लाख एकड़ धान फसल से उत्पादित कुल 12 मिलियन टन पराली में से मात्र 1.9 मिलियन टन (लगभग 16 प्रतिशत) का प्रबंधन एक्स सीटू विधि से हुआ है।

जबकि बाकी 84 प्रतिशत धान पराली का प्रबंधन किसानों ने इन-सीटू विधि (पराली को खेत में दबाकर जैविक खाद बनाना) आदि से किया। इसलिए सरकार को पर्यावरण हितैषी इन-सीटू समाधान के लिए किसानों को 2500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन देना चाहिए। इसके साथ ही, वर्ष 2018 के आदेश 'कम्बाइन हार्वेस्टर पर एसएमएस अनिवार्य' करने को सख्ती से लागू करना चाहिए। वायु प्रदूषण के मुख्य कारकों में वाहन-उद्योगों से उत्सर्जन के खिलाफ सरकार द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं करना दुर्भाग्यपूर्ण है। वहीं सरकार अव्यावहारिक कृत्रिम बारिश, सड़कों पर पानी छिड़काव जैसे प्रचार से जनता को भ्रमित कर रही है।

राह दिखाती सांप्रदायिक सौहार्द की एक उजली किरण

विश्वनाथ सचदेव

उसका नाम अरफाज अहमद डैंग है। शायद ही सुना होगा आपने यह नाम। उसने ऐसा कोई कारनामा भी नहीं किया है कि यह नाम सुर्खियों में आता। असल में अरफाज जम्मू का एक युवा पत्रकार है, जिसकी एक पहचान यह भी है कि वह अपने निजी चैनल से बड़ी हिम्मत के साथ सच्चाई को उजागर करने का दावा करने वाला पत्रकार है। कुछ दिन पहले उसने एक समाचार प्रसारित किया था, जो कुछ ताकतवरों को नागवार गुजरा और 'उसे सबक सिखाने के लिए' उसका चालीस साल पुराना मकान बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि यह मकान अनधिकृत निर्माण था, इसलिए उचित नोटिस देकर इसे गिरा दिया गया। चालीस साल से अपने माता-पिता के साथ वहां रहने वाले अरफाज ने इस कार्रवाई को गैर-कानूनी और तानाशाही गतिविधि करार दिया है।

इस घटना की हकीकत तो जांच के बाद ही सामने आयेगी, पर यह एक सच्चाई तो है ही कि पिछले एक लंबे अर्से से देश में 'बुलडोजरी न्याय' की प्रक्रिया जारी है। इस आशय के उदाहरण भी सामने आ रहे हैं जो इस प्रक्रिया को एक सीमा तक अनुचित ठहराते हैं। यहां मैं जो मुद्दा उठा रहा हूं वह 'अनधिकृत निर्माण' और 'बुलडोजरी न्याय' से कुछ अलग है। मुद्दा यह है कि अरफाज के एक पड़ोसी ने अरफाज के सिर को छत से वंचित करने की इस कार्रवाई को 'अत्याचार' कहा है। पर बात यहीं नहीं रुकती। इसके आगे जो हुआ वह बहुत कुछ कह रहा है और इसे 'सुना' जाना चाहिए। इस घटना का जो वीडियो वायरल हो रहा है वह एक मुसलमान के हिंदू पड़ोसी की मानवतावादी सोच को उजागर करता है। इस हिंदू पड़ोसी का नाम है कुलदीप शर्मा। अरफाज के पिता की उम्र के इस हिंदू पड़ोसी ने दोनों परिवारों के चालीस साल साथ रहने की दुहाई देते हुए कहा है कि वे अरफाज और उसके परिवार को किसी भी कीमत पर उजड़ने नहीं देंगे। बुलडोजर ने अरफाज का तीन महले का घर तोड़ा है, कुलदीप शर्मा ने अरफाज के परिवार को पांच मरला जमीन उपहार में देकर उस पर मकान बनवाने का आश्वासन भी दिया है।

घटना के वायरल हुए वीडियो में कुलदीप शर्मा को आंसू बहाते हुए यह कहते दिखाया गया है कि वे 'भीख मांगकर भी' अपने पड़ोसी मुस्लिम परिवार को नया मकान दिलाएंगे। हिंदू-मुस्लिम भाईचारे का यह शानदार उदाहरण जरूर है, पर अकेला उदाहरण नहीं है। ऐसे ढेरों उदाहरण देखे जा चुके हैं जो हमारे देश की गंगा-यमुनी सभ्यता को उजागर करते हैं। अक्सर ऐसे उदाहरणों को नजरंदाज कर दिया जाता है, पर इन्हें याद रखा जाना जरूरी है। जिस तरह का आपसी वैमनस्य फैलाने वाला माहौल देश में पनप रहा है, उसमें अरफाज और कुलदीप शर्मा से जुड़ी यह घटना भरोसा देने वाली है। शर्मा जी ने जो जमीन अपने मुसलमान पड़ोसी को उपहार में दी है, उसके कागजात उन्होंने अपनी किशोरी पुत्री के हाथों 'अपने अरफाज भाई' को दिलवाये हैं। इस अवसर पर पुत्री का यह कहना कि मैं 'खुशकिस्मत हूं कि मुझे ऐसे मां-बाप मिले हैं' किसी भी सच्चे भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा उठा देगा।

देश के नागरिकों में आपसी सौहार्द की दिखती यह उजली किरण अपने आप में बहुत कुछ कह रही है। राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए या फिर धर्म के नाम पर भारतीयों को बांटने की नीति में विश्वास के कारण आज देश में ऐसा बहुत कुछ हो रहा है, जिसे देखकर हर विवेकशील भारतीय को चिंतित होना चाहिए। हमारी राजनीति के कर्णधार कभी 'अस्सी और बीस' की बात करते हैं, कभी मंदिर-मस्जिद का मुद्दा उठाते हैं, कभी विधर्मियों के सामाजिक-आर्थिक बहिष्कार का नारा लगाते हैं। यह प्रवृत्ति समाज और देश को बांटने वाली है, जोड़ने वाली नहीं। विभिन्नता में एकता का आदर्श उदाहरण है हमारा देश। हमारी धार्मिक विभिन्नता हमारी कमजोरी नहीं, ताकत है। इस बात के मर्म को पहचानना-समझना जरूरी है। और यह मानना भी जरूरी है कि हमारा भारत अस्सी करोड़ हिंदुओं, बीस करोड़ मुसलमानों और चालीस करोड़ अन्य धर्मों को मानने वालों का देश नहीं, एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों का देश है। हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए कि दुनिया के सारे धर्मों के लिए हमारे देश में जगह है; हम वसुधैव कुटुंबकम में विश्वास करते हैं और सर्वे भवंतु सुखिन: हमारा जीवन-मंत्र है। यह सब हमें हमारे पूर्वजों ने सिखाया था, फिर यह कैसे हुआ कि आपसी भाईचारे के इस महामंत्र को हम भूल रहे हैं? धर्म के नाम पर बंटने-बांटने की बात करने वाले हिंदू या मुसलमान या ईसाई होने पर गर्व करें, इसमें कुछ गलत नहीं है।

गलत यह तब हो जाता है जब हम अपनी लकीर को बड़ा करने के लिए दूसरों की लकीर को छोटा करने लगते हैं। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि हम किस धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में जन्म लेते हैं इसमें हमारा कुछ योगदान नहीं है, यह एक संयोग मात्र है। लेकिन इस संयोग को सार्थक बनाने का दायित्व हमारा है। एक अच्छा हिंदू, अच्छा मुसलमान, या अच्छा ईसाई बनना अवश्य हमारे हाथ में है। यह अच्छाई इस बात पर निर्भर करती है कि हम कितने अच्छे मनुष्य हैं। इसी अच्छाई का एक बहुत ही सुंदर उदाहरण जम्मू-कश्मीर के कुलदीप शर्मा ने प्रस्तुत किया है। अपने मुसलमान पड़ोसी अरफाज अहमद के ध्वस्त किये गये मकान को फिर से बनवाने के लिए अपनी जमीन उपहार में देकर कुलदीप शर्मा ने एक अच्छे हिंदू होने का ही उदाहरण प्रस्तुत किया है। अच्छा हिंदू सबकी भलाई में विश्वास करता है, सबको अपना परिवार मानता है।

पाचन के लिए रामबाण आयुर्वेदिक औषधि है हरड़

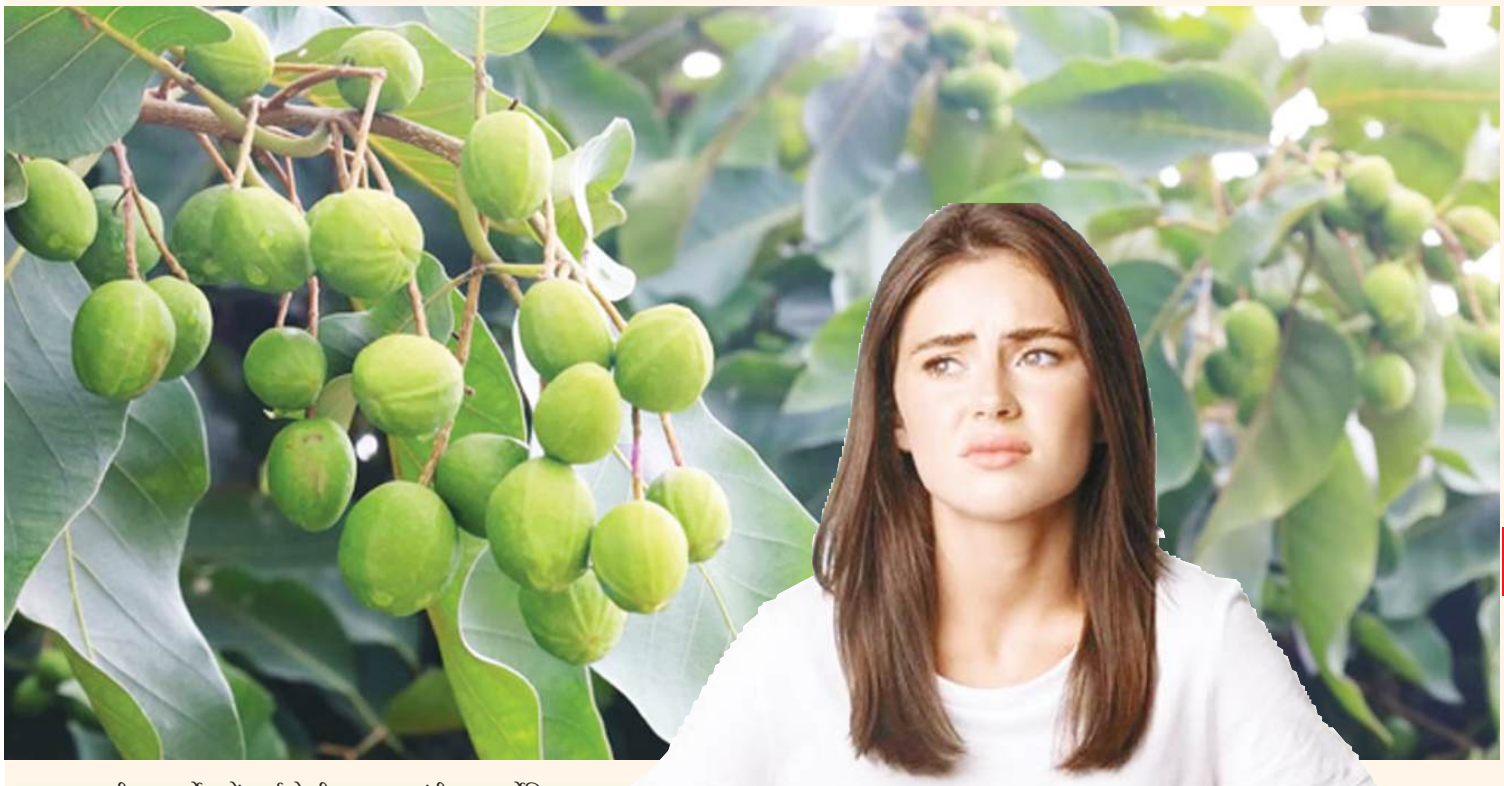

भारतीय आयुर्वेद में कई ऐसी जड़ी-बूटियां हैं, जिनके लाभों के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं, जबकि वे स्वास्थ्य के लिए किसी रामबाण औषधि से कम नहीं हैं। ऐसी ही एक शक्तिशाली और प्राचीन औषधि है हरड़। हरड़ को औषधियों का राजा या जीवन रक्षक भी कहा जाता है और यह त्रिफला के तीन प्रमुख घटकों में से एक है। यह जड़ी-बूटी विशेष रूप से पाचन तंत्र के लिए अद्भुत काम करती है। कब्ज, अपच, गैस, बदहजमी और पेट फूलने जैसी आम समस्याओं के लिए हरड़ सदियों से एक पसंदीदा आयुर्वेदिक उपचार रहा है। इसके नियमित सेवन से आंतों की प्राकृतिक सफाई होती है, पाचन एंजाइम सक्रिय होते हैं और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। हरड़ न केवल पेट साफ करता है, बल्कि इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन आपकी समग्र इम्यूनिटी और स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाते हैं। इसलिए इस लेख में साधारण सी जड़ी बूटी के असाधारण फायदे के बारे में जानते हैं।

इम्यूनिटी और एंटीऑक्सीडेंट्स की शक्ति

हरड़ में मौजूद टैनिन और अन्य शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की कोशिकाओं को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। यह आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में सहायक है, जिससे आप मौसमी संक्रमणों और बीमारियों से बचे रहते हैं। यह एंटीऑक्सीडेंट शक्ति दीर्घायु और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है।

कब्ज और अपच का अचूक इलाज

हरड़ का सबसे बड़ा और प्रचलित लाभ इसकी पेट साफ करने की क्षमता है। यह एक सौम्य और प्राकृतिक रेचक के रूप में काम करता है। हरड़ आंतों की गतिशीलता को उत्तेजित करता है, जिससे मल को नरम करने और उसे बाहर निकालने में मदद मिलती है। इसका नियमित सेवन कब्ज की पुरानी समस्या को दूर करता है और पाचन क्रिया को सुचारु बनाए रखता है।

आंतों को डिटॉक्स करना

हरड़ में शक्तिशाली रोगाणुरोधी गुण होते हैं। यह पाचन तंत्र से हानिकारक बैक्टीरिया और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके कसैले गुण आंतों की परत को साफ करते हैं और स्वस्थ बैक्टीरिया के संतुलन को बनाए रखने में सहायक होते हैं। यह आंतों की सेहत को बेहतर बनाकर गैस और एसिडिटी को भी नियंत्रित करता है।

सेवन का सही तरीका

हरड़ का अधिकतम लाभ लेने के लिए, इसे चूर्ण के रूप में रात को सोने से पहले लेना सबसे अच्छा होता है। आधा चम्मच हरड़ चूर्ण को एक गिलास गुनगुने पानी या हल्के गर्म शहद के साथ मिलाकर सेवन करें। आप चाहें तो इसकी थोड़ी मात्रा को सुबह खाली पेट भी लिया जा सकता है।

हंसना मना है

एक आदमी होटल में गया और वेटर से बोला: भैया, मुझे सबसे स्पेशल डिश दो।
वेटर: सर, आज स्पेशल है । सुपर-स्पेशल फ्राइड राइस। आदमी: ठीक है, पर इसे ज्यादा ताजा बनाओ। वेटर ने हंसते हुए कहा: सर, फ्राइड राइस ताजा तभी रहता है जब आप खाना खाते समय जल्दी-जल्दी हंस रहे हों।
आदमी: तो फिर मुझे आपकी कॉमेडी भी सर्व कर दो।

पत्नी: डार्लिंग, अगर मैं खो जाऊं तो तुम क्या करोगे? पति: मैं अखबार में इश्तिहार दूंगा। पत्नी: क्या लिखोगे? पति: मिल गई तो बहुत खुशी, नहीं मिली तो मोबाइल से कॉल करता रहूंगा।

दो दोस्त जिम में थे। पहला: यार, लगता है मेरी मांसपेशियां कहीं खो गई हैं। दूसरा: कहां खो गईं? पहला: जिम के बाहर, खाना खाते समय। दोनों जोर-जोर से हंसने लगे और जिम वाले ने कहा-भाई, हंसना भी एक्सरसाइज है।

टीचर: अगर तुम्हारे पास 10 चॉकलेट हैं और तुम 2 दोस्त को दे दो, तो तुम्हारे पास कितने बचे? बच्चा: सर, पहले यह बताओ कि वे दोस्त सच में मेरे हैं या सिर्फ चॉकलेट लेने आए हैं?
टीचर: सच में दोस्त हैं।

कहानी | अन्तिम इच्छा

विजयनगर के ब्राह्मण बड़े ही लालची थे। वे हमेशा किसी न किसी बहाने राजा से धन वसूल करते थे। राजा की उदारता का अनुचित लाभ उठाना उनका परम कर्तव्य था। एक दिन राजा कृष्णदेव राय ने उनसे कहा,मरते समय मेरी मां ने आम खाने की इच्छा व्यक्त की थी जो उस समय पूरी नहीं की जा सकी थी। क्या अब ऐसा कुछ हो सकता है, जिससे उसकी आत्मा को शांति मिले? महाराज, यदि आप एक सौ आठ ब्राह्मणों को सोने का एक-एक आम भेंट कर दें तो आपकी मां की आत्मा को अवश्य शांति मिल जाएगी। ब्राह्मणों को दिया दान मृतात्मा तक अपने आप पहुंच जाता है। ब्राह्मणों ने कहा। राजा कृष्णदेव राय ने सोने के एक सौ आठ आम दान कर दिए। ब्राह्मणों की मौज हो गई उन आमों को पाकर। तेनाली राम को ब्राह्मणों के इस लालच पर बहुत क्रोध आया। वह उन्हें सबक सिखाने की ताक में रहने लगा। जब तेनाली राम की मां की मृत्यु हुई तो एक महीने के बाद उसने ब्राह्मणों को अपने घर आने का न्योता दिया कि वह भी मां की आत्मा की शान्ति के लिए कुछ करना चाहता है। खाने-पीने और बढ़िया माल पाने के लोभ में एक सौ आठ ब्राह्मण तेनाली राम के घर जमा हुए। जब सब आसनों पर बैठ गए तो तेनाली राम ने दरवाजे बन्द कर लिए और अपने नौकरों से कहा, जाओ, लोहे की गरम-गरम सलाखें लेकर आओ और इन ब्राह्मणों के शरीर पर दागो। ब्राह्मणों ने सुना तो उनमें चीख पुकार मच गई। सब उठकर दरवाजों की ओर भागे। लेकिन नौकरों ने उन्हें पकड़ लिया और एक-एक बार सभी को गरम सलाखें दागी गईं। बात राजा तक पहुंची। वह स्वयं आए और ब्राह्मणों को बचाया। क्रोध में उन्होंने पूछा, यह क्या हरकत है, तेनाली राम ? तेनाली राम ने उत्तर दिया, महाराज मेरी मां को जोड़ों के दर्द की बीमारी थी। मरते समय उनको बहुत तेज दर्द था। उन्होंने अंतिम समय में यह इच्छा प्रकट की थी कि दर्द के स्थान पर लोहे की गरम सलाखें दागी जाएं ताकि वह दर्द से मुक्तिपाकर चैन से प्राण त्याग सकें। उस समय उनकी यह इच्छा पूरी नहीं की जा सकी। इसीलिए ब्राह्मणों को सलाखें दागनी पड़ीं। राजा हंस पड़े। ब्राह्मणों के सिर शर्म से झुक गए।

10 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृषभ

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा।

मिथुन

पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

कर्क

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है।

सिंह

आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कन्या

आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन आ सकती है।

तुला

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

धनु

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे।

मकर

व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा।

मीन

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। धैर्य रखें।

बॉलीवुड | मन की बात

लड़के आधी उम्र की लड़की से शादी करते हैं, लड़की ऐसा करती है तो उसे जज किया जाता है : मलाइका

मलाइका अरोड़ा अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने सोसाइटी के दोहरे रवैये पर बात की है। उनके मुताबिक पुरुष तलाक लेते हैं और अपनी से आधी उम्र की लड़की से शादी करते हैं। इसके उलट महिलाओं को उनकी पसंद के लिए उन्हें जज किया जाता है। मोजो स्टोरी के साथ बातचीत में मलाइका अरोड़ा ने कहा अगर आप मजबूत हैं तो आपको जज किया जाता है। हम ये फैसले लेंगे चाहे कुछ भी हो। मैं पुरुषों का बहुत सम्मान करती हूं और उनसे प्यार करती हूं क्योंकि मेरी जिंदगी में कुछ पुरुष बहुत जरूरी हैं और सच में बहुत अच्छे हैं। मलाइका ने बताया कि एक जैसी स्थितियों में समाज पुरुषों और महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार करता है। अगर आज एक पुरुष तलाक लेकर आगे बढ़ने की सोचता है, और अगर वह अपनी से आधी उम्र की लड़की से शादी करता है तो लोग कहते हैं बहुत अच्छा। वहीं अगर कोई महिला ऐसा करती है तो उससे सवाल किया जाता है कि वह ऐसा क्यों कर रही है? ख्याल रहे कि मलाइका अरोड़ा अर्जुन कपूर के साथ रिश्ते में थीं। दोनों का साल 2024 में ब्रेकअप हो गया। दोनों में से किसी ने भी ब्रेकअप के बारे में कुछ नहीं कहा। दोनों ने साल 2018 से एक दूसरे को डेट करना शुरू किया था। इससे पहले मलाइका अरोड़ा ने अरबाज खान से शादी की थी। दोनों का एक 23 साल का लड़का अरहान है। उनकी शादी 1998 में हुई थी। दोनों साल 2016 में अलग हो गए। आधिकारिक तौर पर दोनों का 2017 में तलाक हुआ। मलाइका अरोड़ा को आखिरी बार फिल्म थामा के गाने पॉइजन बेबी में देखा गया था। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल थे।

तेरे इश्क में ने दुनियाभर में मचाया तहलका अब तक किया 100 करोड़ का कलेक्शन

धनुष और कृति सेनन स्टारर निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म तेरे इश्क में बॉक्स ऑफिस पर धुआं उड़ा रही है। शानदार शुरुआत और शानदार ओपनिंग वीकेंड के बाद वीकडेज में भी ये अच्छी कमाई कर रही है। हालांकि बुधवार को इसका कलेक्शन बेहद कम रहा है। बावजूद इसके तेरे इश्क में वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर बड़ा मील का पत्थर पार कर लिया है।

तेरे इश्क में का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। हालांकि पहले बुधवार को इसने बॉक्स ऑफिस पर गिरावट दर्ज की। मंगलवार को अच्छी ग्रोथ दिखाने के बाद, छठे दिन फिल्म की कमाई अब तक के सबसे निचले लेवल पर पहुंच गई। सैकनिल्क के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, इस रोमांटिक ड्रामा ने बुधवार को लगभग 6.75 करोड़ रुपये की कमाई की। इसमें से लगभग 6.4 करोड़ रुपये हिंदी पट्टी से आए, जबकि तमिल बाजारों ने अनुमानित 35 लाख रुपये का कॉन्ट्रिब्यूशन दिया।

बुधवार के आंकड़ों के साथ, भारत में फिल्म का नेट कलेक्शन लगभग 76.75 करोड़ रुपये है, जबकि इसका ग्रॉस डोमेस्टिक टोटल 92.5 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। वहीं विदेशों में इसने लगभग 8 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसी के साथ तेरे इश्क में ने पहले ही हफ्ते में दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये की कमाई के आंकड़े को पार कर लिया है।

सिर्फ छह दिनों में घरेलू बाज़ारों में लगभग 92.50 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई के साथ, तेरे इश्क में धनुष की अब तक की सबसे बड़ी बॉलीवुड हिट बन गई है। यह उनकी पहली 100 करोड़ रुपये की दुनिया भर में कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म भी है, और को स्टार कृति सेनन की सातवी फिल्म है। इस फिल्म की युवा कहानी और इसके पॉपुलर साउंडट्रैक ने घरेलू बाज़ार में स्पीड बनाए रखने में मदद की है। हालांकि विदेशों में इसकी परफॉर्मेंस मामूली रही है, लेकिन फिल्म की वर्ल्डवाइड कमाई को बढ़ाने के लिए पर्याप्त स्थिर है।

हालांकि, इस हफ़्ते धुरंधर की रिलीज के साथ, हर कोई ये देखने के लिए एक्साइटेड है कि इस फिल्म के आगे तेरे इश्क में बॉक्स ऑफिस पर कैसा परफॉर्म कर पाती है।

फिल्म 'इक्कीस' से डेब्यू करेंगी अक्षय की भांजी सिमर भाटिया

साल 2025 की शुरुआत में शनाया कपूर, अमान देवगन, इब्राहिम अली खान, राशा थडानी और अहान पांडे समेत कई स्टारकिड्स ने बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इनमें से कुछ हिट हुए, तो कुछ आते ही फ्लॉप हो गए। अब साल के लास्ट में यानी दिसंबर में भी दो स्टार्स बड़े पर्दे के जरिए अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले हैं। इनमें से एक अमिताभ बच्चन के नाती और श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य नंदा है और दूसरी सिमर भाटिया। सिमर भाटिया बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय की भांजी हैं और फिल्म इक्कीस से डेब्यू कर रही हैं।

फिल्म इक्कीस से अब सिमर भाटिया का पोस्टर जारी हो गया है। इस पोस्टर को शेयर करते हुए खिलाड़ी कुमार ने अपनी भतीजी के लिए एक स्पेशल नोट लिखा है, जो श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित फिल्म से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने जा रही हैं। खिलाड़ी कुमार ने इंस्टाग्राम पर सिमर के पोस्टर को साझा करते हुए लंबा-चौड़ा कैप्शन लिखा है। उन्होंने लिखा- तुम्हें एक नन्हीं बच्ची की तरह गोद में उठाने से लेकर आज तुम्हें फिल्मों की दुनिया में कदम रखते हुए देखने तक सच में जिंदगी पूरा चक्र पूरा कर चुकी है। सिमर, मैंने तुम्हें उस शर्मीली सी बच्ची से एक आत्मविश्वासी युवती बनते देखा है, जो अपनी मां के पीछे छुप जाया करती थी और आज कैमरे के सामने ऐसे खड़ी होती है मानो उसी के लिए पैदा हुई हो।

अक्षय ने आगे लिखा- सफर मुश्किल जरूर है, लेकिन तुम्हें जानता हूं, तुम उसी चमक, उसी सच्चाई और उसी जिद्दी हौसले के साथ आगे बढ़ोगी- जो हमारे भाटिया परिवार की पहचान है। हमारा सिद्धांत हमेशा से सिंपल रहा है- काम करो, दिल से करो, और फिर ब्रह्मांड का जादू खुद होता देखते रहो। मुझे तुम पर बहुत गर्व है, बेटा, दुनिया अब सिमर भाटिया से मिलने वाली है, लेकिन मेरे लिए तुम हमेशा से एक सितारा रही हो। जाओ, चमको! जय महादेव।

कौन हैं सिमर भाटिया

सिमर भाटिया अक्षय कुमार की बहन अलका भाटिया की बेटी हैं। फिल्म निर्माता अलका ने 1997 में वैभव कपूर से शादी की और उनकी पहली संतान सिमर का जन्म हुआ। हालांकि, बाद में दोनों अलग हो गए। 2012 में अलका ने रियल एस्टेट टाइकून सुरेंद्र हीरानंदानी से शादी की।

अजब-गजब | यहां मरने के बाद मिल रहा है वीआईपी ट्रीटमेंट

यह सरकार दे रही है मशहूर हस्तियों के पास दफन होने का मौका, खर्च करना होगा मोटा पैसा

सोचिए, जिन सितारों को हम पूरी जिंदगी फिल्मों में देखते हैं, पूरे दिन सोचते हैं की एक बार भगवान हमें उनसे मिला दे, अगर मौका मिले कि मरने के बाद हमारी आखिरी जगह उन्हीं के बगल में हो, तो कैसा लगेगा? भले ही ये सवाल आपको थोड़ा अजीब लग रहा होगा लेकिन पेरिस में यह अब हकीकत बन चुका है। फ्रांस की राजधानी इन दिनों एक बेहद अनोखी और चर्चा में रहने वाली स्कीम लेकर आई है एक ऐसी स्कीम जिसे लोग मजाक में Afterlife Celebrity Pass कह रहे हैं।

दरअसल, पेरिस नगर निगम ने एक लॉटरी स्कीम शुरू की है, जिसके तहत आम लोग अपनी मौत से पहले ही यह तय कर सकते हैं कि उनकी कब्र कहां बनेगी और वो किस मशहूर हस्ती के ठीक बगल में दफन होंगे। जी हां, बिलकुल बगल में! यह स्कीम पेरिस की तीन सबसे जाने माने कब्रगाहों में लागू की गई है-

ये वो जगहें हैं, जहां दुनिया की कई बड़ी हस्तियां दफन हैं। जैसे- ऑस्कर वाइल्ड, जिम मॉरिसन, एडिथ पियाफ और कई मशहूर कलाकार सोचकर देखिए जिनकी कब्रों पर लोग

आज भी फूल, संदेश और मोमबत्तियां लेकर जाते हैं, उनके ठीक पास आपकी अंतिम जगह होगी।

इस सेलेब्रिटी पड़ोस में जगह पाना उतना आसान नहीं है जितना सुनने में लगता है। अगर आप सोच रहे हैं कि यह मौका आसानी से मिल जाएगा, तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। पेरिस सरकार के मुताबिक, किसी मशहूर हस्ती की कब्र के पास जगह पाने के लिए आपको अपनी जेब ढीली करनी होगी। इसकी कीमत करीब 4000 यूरो, यानी लगभग 4 लाख रुपये है। इसके अलावा, खरीदार को अपनी चुनी हुई कब्र की नियमित सफाई, आसपास की मेंटेनेंस, और कई अन्य जिम्मेदारियों का भी ध्यान रखना होगा। यानी कि, अंतिम घर भी अब एक तरह की प्रीमियम लोकेशन प्रॉपर्टी बन चुका है बस फर्क इतना है कि यहां रहने वाले कभी शिफ्ट नहीं हो सकते।

इस स्कीम के शुरू होने के बाद आपके मन में यह सवाल जरूर आया होगा कि आखिर पेरिस सरकार ऐसा कदम क्यों उठा रही है। असल वजह काफी अहम है पेरिस में जगह की भारी कमी। पुराने कब्रिस्तानों में लगभग सारी जगह भर चुकी है, इसलिए स्थानीय प्रशासन ने यह अनोखी लॉटरी स्कीम शुरू की है ताकि- पेरिस के लोग अपने ही शहर में दफन हो सकें, ऐतिहासिक कब्रगाहों की अच्छी तरह देखभाल हो और लॉटरी के माध्यम से लोगों को एक सम्मानजनक अंतिम स्थान मिल सके। इस स्कीम के लॉन्च होते ही सोशल मीडिया पर मीम्स, चुटकुले और मजेदार कमेंट्स की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने दिलचस्प प्रतिक्रियाएं देते हुए लिखा- जिंदगी में मुलाकात नहीं हुई, कम से कम आखिरी पड़ाव तो स्टार के पास हो जाए।

यूनिफॉर्म में च्युइंग गम चबाना, धूम्रपान करना होता है एयर होस्टेस को मना

फ्लाइट में यात्रा करने वाले यात्रियों के कई नियम होते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि फ्लाइट अटेंडेंट्स के भी बहुत से नियम होते हैं? एक फ्लाइट अटेंडेंट ने हाल ही में ऐसे ही कुछ नियमों के बारे में बताया जिनका पालन करना उनके लिए जरूरी होता है। इनके बारे में जानकर आपको काफी हैरानी होगी। एक पूर्व फ्लाइट अटेंडेंट ने हाल ही में उन चौंकाने वाले नियमों का खुलासा किया है, जिन्हें एयरलाइन की यूनिफॉर्म पहनते समय उन्हें पालन करना पड़ता है। बारबरा बासिलिएरी 14 साल तक फ्लाइट अटेंडेंट रह चुकी हैं। वो आज एक ट्रैवल इन्फ्लुएंसर हैं। उन्होंने बताया कि यूनिफॉर्म में रहते हुए एयरलाइन स्टाफ किन-किन बातों से सख्ती से रोका जाता है। 33 वर्षीय बारबरा ने विशेष रूप से पांच प्रमुख नियमों का जिक्र किया, जिनका उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई हो सकती है। बारबरा के अनुसार, सार्वजनिक रूप से रोमांस या प्यार का प्रदर्शन बिल्कुल मना है। फ्लाइट अटेंडेंट को यूनिफॉर्म में रहते हुए किसी भी तरह के इंटिमेट मोमेंट्स में शामिल होने की अनुमति नहीं होती। इसके अलावा धूम्रपान करना, चाहे सिगरेट हो या वेप, पूरी तरह प्रतिबंधित है। जो केबिन क्रू सदस्य हाल ही में धूम्रपान छोड़ चुके होते हैं, उन्हें च्युइंग गम चबाने की भी इजाजत नहीं, ताकि वे अनजाने में गम के बुलबुले न बनाएं, जो यूनिफॉर्म की गरिमा के खिलाफ माना जाता है। उन्होंने बताया कि स्टाफ को यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि वे चाय या कॉफी कहां पी रहे हैं। बोर्डिंग गेट पर कॉफी पीना भी प्रतिबंधित है, क्योंकि वह नियमों के विरुद्ध माना जाता है। वहीं, शराब का सेवन यूनिफॉर्म में पूरी तरह मना है, चाहे समय कोई भी हो। हालांकि, उन्होंने हंसते हुए कहा कि पानी किसी से नहीं छीना जाता। बारबरा ने एक और दिलचस्प बात साझा की, फ्लाइट अटेंडेंट यात्रियों को उस क्षण से परखना शुरू कर देते हैं, जब वे विमान में कदम रखते हैं। उन्होंने बताया, जब हम 'वेलकम' कहते हैं और मुस्कुराकर आपका स्वागत करते हैं, तो हम एक ही पल में बहुत कुछ नोटिस कर रहे होते हैं। वह देखती हैं कि यात्री आत्मविश्वास से चल रहा है या उसे किसी तरह की दिक्कत है, क्या वह नर्वस है या शराब के प्रभाव में, क्या वह बच्चे के साथ है या किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जिसे सहायता की आवश्यकता हो सकती है। यही नहीं, वे यह भी आंकते हैं कि कोई यात्री आपात स्थिति में मददगार साबित हो सकता है या नहीं, जैसे उसकी शारीरिक क्षमता या मेडिकल ट्रेनिंग।

जनता का विश्वास तेजी से आप की ओर लौटेगा : केजरीवाल

एमसीडी उपचुनाव से आप में उत्साह, बीजेपी में तनाव

» दोनों पार्टियों ने एक-दूसरे पर किया प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के उपचुनाव के नतीजे घोषित हो चुके हैं, जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कुल सात सीटों पर विजय प्राप्त कर अपना वर्चस्व साबित किया है। आम आदमी पार्टी (आप) ने तीन सीटें अपने नाम की हैं। वहीं, कांग्रेस ने भी एक सीट जीतकर सबको चौंका दिया है। जबकि एक सीट पर आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक शोएब इकबाल की पार्टी ने कब्जा जमाया है। उपचुनाव के नतीजों ने यह साफ कर दिया है कि ट्रिपल इंजन सरकार के बावजूद भाजपा के लिए एमसीडी की राजनीति आसान नहीं है। बहुमत के तीन कदम दूर खड़ी भाजपा जहां आईवीपी को साथ लेकर ही आगे बढ़ पाएगी।आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की इस जीत पर प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने भाजपा पर हमला किया है।

अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, निगम उपचुनाव में इस बार आम आदमी पार्टी ने अपने समर्पित कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा और दिल्ली की जनता ने अपने जनादेश से ये साफ कर दिया है कि दिल्ली का जनसमर्थन लगातार आप की तरफ मजबूत हो रहा है। आगे कहा कि सिर्फ 10 महीनों में ही जनता का विश्वास एक बार फिर तेजी से आम आदमी पार्टी की ओर लौट रहा है। दिल्ली बहुत जल्द वापस सकारात्मक राजनीति और अच्छे कामों की तरफ लौट रही है। उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने भी अपना आधार मजबूत किया है। आप के पार्षदों की संख्या 96 से बढ़कर 99 हो गई है। वहीं कांग्रेस को भी राहत मिली है और उसके पार्षदों की संख्या बढ़कर नौ हो गई है। इस बार सदन में अखिल भारतीय फारवर्ड ब्लॉक का भी एक पार्षद पहुंचने में सफल रहा है, जिससे राजनीतिक विविधता और बढ़ गई है। एक निर्दलीय पार्षद है जो आप का साथ देता रहा है। वहीं एमसीडी में दो पार्षद अब किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं। दोनों पहले आम आदमी पार्टी से थे, लेकिन लगातार दल बदलने और अनुशासनहीनता के चलते अब किसी भी पार्टी ने इन्हें अपने खेमे में शामिल करने से इनकार कर दिया है।

भाजपा सबसे ज्यादा सीटें जीती फिर भी बहुमत से रहेगी दूर

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के 12 वार्डों के उपचुनाव परिणाम सामने आने के बाद भी सदन में भाजपा की स्थिति नहीं बदल सकी। चुनाव में भाजपा ने सबसे अधिक सात सीटें अपने नाम कर मजबूत उपस्थिति दर्ज तो करा ली, लेकिन इसके बावजूद पार्टी बहुमत के जादुई आंकड़े 126 तक पहुंचने में नाकाम रही है। उपचुनाव के बाद सदन में भाजपा के पार्षदों की संख्या 123 हो गई है, यानी बहुमत से तीन कम है। ऐसे में एमसीडी की कमान संभाले रखने के लिए भाजपा को अब भी इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) के 15 पार्षदों पर ही निर्भर रहना पड़ेगा।

दिल्ली की पहली पसंद भाजपा : सचदेवा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एमसीडी उपचुनाव के नतीजों को भाजपा के पक्ष में जनसमर्थन का प्रमाण बताया है। उन्होंने कहा कि उपचुनाव में 45 प्रतिशत से अधिक वोट भाजपा को मिले हैं। इस तरह दिल्लीवाले अब भी भाजपा को पहली पसंद मानते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने उपचुनाव को पूरी गंभीरता से लड़ा और 12 में से आठ महिला उम्मीदवार उतारकर एक महत्वपूर्ण प्रयोग किया। इनमें से छह महिला प्रत्याशी जीत दर्ज करने में सफल रहीं, जिसे उन्होंने भाजपा के महिला सशक्तीकरण प्रयासों की बड़ी सफलता बताया। सचदेवा ने 12 में से सात वार्डों में जीत को भाजपा संगठन, कार्यकर्ताओं और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के सघन प्रचार अभियान का परिणाम बताया। वहीं, उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव में करारी हार के बाद आप नेता सौरभ भारद्वाज और दुर्गेश पाठक ने दिए बयान उनकी हताशा और निराशा को दर्शाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आप नेतृत्व मुस्लिम वोट खिसकने की जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आप जिन वार्डों में मामूली अंतर से हारी है, उन्हीं की आड़ लेकर वे भाजपा पर वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अशोक विहार में आप 405 वोट से हारी, जबकि नारायणा में वे स्वयं सिर्फ 148 वोट से जीते है, ऐसे में भाजपा की जीत पर सवाल उठाना निराधार है। सचदेवा ने आप में टिकट वितरण को लेकर असंतोष और आंतरिक मतभेद का भी जिक्र किया। उनके अनुसार चांदनी महल वार्ड में पार्टी को मिली हार पर मुस्लिम कार्यकर्ता टिकट चयन पर सवाल उठा रहे हैं, क्योंकि स्थानीय नेता शोएब इकबाल और आले मोहम्मद की अनदेखी कर दो पूर्व मंत्रियों की पसंद के उम्मीदवार को टिकट दिया गया। प्रेसवार्ता का संचालन मीडिया विभाग प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने किया।

भाजपा सरकार ने 1.24 लाख लोगों को बनाया अवैध कब्जाधारक : सुक्खू

» सीएम बोले- परिवारों को नहीं होने देंगे बेघर, हक की लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तपोवन (धर्मशाला)। हिमाचल प्रदेश में पूर्व भाजपा सरकार के समय साल 2002-03 में लाई गई नीति को लेकर तपोवन विधानसभा में माहौल गरमाया रहा। 1.24 लाख अवैध कब्जाधारकों के मामले पर कांग्रेस और भाजपा ने एक-दूसरे पर खूब आरोप लगाए। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा की सरकार ने 1.24 लाख लोगों को अवैध कब्जाधारक बना दिया है। अब कांग्रेस सरकार सुप्रीम कोर्ट में इनके हक की लड़ाई लड़ेगी। नेता विपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि किसी को दोष देने की जरूरत नहीं है। उस दौरान सरकार की मंशा खराब नहीं थी। अब लोगों को भगवान भरोसे न छोड़ें। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने भाजपा पर लोगों को बेघर करने की नौबत लाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार का हस्तक्षेप कराने को कहा। प्रश्नकाल के दौरान विधायक जीतराम कटवाल ने यह मामला उठाया। उन्होंने सरकार की ओर से इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जाने या न जाने को लेकर जानकारी मांगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों को बेघर नहीं होने दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में नामी वकीलों को खड़ा किया जाएगा। कब्जाधारक परिवारों को प्रदेश हाईकोर्ट की ओर से सुनाए गए फैसले से राहत दिलाने के लिए पूरी मजबूती से केस लड़ा जाएगा। विधायक के मूल सवाल का जवाब देते राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने 2002-03 में एक ऐसी नीति लाई, जिसमें अवैध कब्जाधारियों के कब्जे नियमित करने की बात कही गई। इस नीति के तहत प्रदेश में 1.60 लाख से अधिक लोगों ने रातोंरात आवेदन कर दिए और ये तमाम अवैध कब्जे सामने आए हैं। हिमाचल में तमाम गैर राजस्व जमीन वन भूमि है। जब तक केंद्र सरकार एफसीए में संशोधन नहीं कर देती, तब तक सरकार एक बिस्वा जमीन भी किसी को आवंटित नहीं कर सकती।

ओडिशा में बंगालियों पर अत्याचार बढ़े : मोइत्रा

» टीएमसी सांसद बोलीं - नयागढ़ से चार बंगाली प्रवासियों को निकाला गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। तृणमूल कांग्रेस की एमपी महुआ मोइत्रा ने ओडिशा के नयागढ़ जिले में पुलिस पर आरोप लगाया कि उन्होंने चार बंगाली बोलने वाले मुस्लिम व्यापारियों को ज़बरदस्ती हटा दिया, जबकि उनके आधार और वोटर आईडी कार्ड से पता चलता था कि वे भारतीय नागरिक हैं। तृणमूल नेता ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा, तुम्हें अपने कामों की कीमत चुकानी पड़ेगी। सावधान रहना। तृणमूल कांग्रेस ने पहले ओडिशा पुलिस पर बंगाली बोलने वाले प्रवासी मज़दूरों को मनमाने ढंग से हिरासत में लेने और परेशान करने का आरोप लगाया था। हालांकि, राज्य के अधिकारियों ने इन दावों को खारिज कर दिया है।

वहीं नयागढ़ की पुलिस अधीक्षक (एसपी) एस सुश्री ने कहा कि अगर कुछ लोग नयागढ़ छोड़कर गए हैं, तो उन्होंने ऐसा अपनी मर्जी से किया है। मोइत्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ओडिशा के पुलिस महानिदेशक और नयागढ़ पुलिस अधीक्षक ध्यान दें - आपने बांग्ला भाषी चार भारतीय नागरिकों को नयागढ़ जिले से अवैध रूप से बाहर निकाल दिया है, सिर्फ इसलिए कि वे बंगाली थे।' उन्होंने संवैधानिक मानदंडों के कथित उल्लंघन पर अदालत का रुख करने की धमकी भी दी। मोइत्रा ने कहा, बंगाल में लाखों ओड़िया लोग, रसोइए, माली, प्लंबर और अन्य काम कर रहे हैं, जिनके साथ हम प्यार और सम्मान से पेश आते हैं। आपको अपने कृत्यों की कीमत चुकानी पड़ेगी। सावधान रहें। मोइत्रा ने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि नयागढ़ के ओडागांव थाने ने चार बंगाली प्रवासियों, जो वास्तविक भारतीय नागरिक हैं, को जिला छोड़ने का निर्देश दिया। तृणमूल नेता ने दावा किया कि उनके मकान मालिक पर उन्हें निकालने के लिए दबाव डाला गया और गिरफ्तारी की धमकी दी गई, जबकि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के एसपी ने उनकी पहचान सत्यापित की थी। नयागढ़ की एसपी ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि पुलिस बल जिले में कुछ व्यक्तियों की पहचान का सत्यापन कर रहा है।

भाजपा बोली- महुआ मोइत्रा का दावा झूठा

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा ने कहा कि महुआ "झूठे" दावे करके दोनों पड़ोसी राज्यों के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को नुकसान न पहुंचाएं। ओडिशा पुलिस ने भी इस आरोप से इनकार किया और कहा कि उसने बांग्लादेशी घुसपैठिया होने के संदेह वाले लोगों के लिए नयागढ़ जिला छोड़ने के वास्ते कोई समयसीमा नहीं निर्धारित की है और न ही किसी व्यक्ति को जाने के लिए कहा है।

राउत से मिले फडणवीस और राज ठाकरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) सांसद संजय राउत से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। यह मुलाकात नौकरशाह राजेश नार्वेकर के बेटे की शादी में हुई। राउत की बेटी की शादी नार्वेकर के दूसरे बेटे से हुई है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उबाठा) के प्रवक्ता राउत उपचाराधीन हैं।

फिलहाल, उनकी बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने उपनगर भांडुप में संजय राउत के आवास पर बुधवार को उनसे मुलाकात की। राज ठाकरे और संजय राउत के बीच हुई मुलाकात के बारे में विधायक सुनील राउत ने कहा कि मनसे अध्यक्ष लगातार परिवार के संपर्क में हैं और संजय राउत के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेते रहते हैं। राज ठाकरे और संजय राउत के बीच कभी बहुत घनिष्ठ संबंध थे। राज ठाकरे लगभग दो दशक बाद भांडुप स्थित राउत के आवास गए।

अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान

» भारतीय टीम में लौटे हार्दिक गिल शर्तों के साथ शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ दिसंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए बुधवार को भारतीय टीम घोषित हो गई। इस 15 सदस्यीय टीम में शर्तों के साथ शुभमन गिल को भी जगह दी गई है जो टेस्ट सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। हालांकि, बीसीसीआई ने बताया है कि गिल की उपलब्धता सीओई की फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। यानी गिल तभी खेलेंगे जब उन्हें पूरी तरह फिट होने की मंजूरी मिलेगी। वहीं, हार्दिक पांड्या की भी टीम में वापसी हुई है जो एशिया कप फाइनल से पहले चोटिल हो गए थे।

दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेंगी, जिसकी शुरुआत 9 दिसंबर से होगी। पहला मुकाबला कटक में खेला जाएगा, जबकि दूसरा मैच 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में होगा। इस सीरीज के बाकी तीन मुकाबले क्रमश: 14 दिसंबर, 17 दिसंबर और 19 दिसंबर को धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। टी20 विश्व कप 2026 की तैयारियों के लिहाज से यह सीरीज भारत के लिए अहम है। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी, जिसका आयोजन भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होगा। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुआई में टीम इंडिया दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ तैयारियां तेज करने उतरेगी। इस टीम में दोनों विकेटकीपर बल्लेबाजों को शामिल किया गया है, जिनमें जितेश शर्मा और संजू सैमसन शामिल हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की टी20 सीरीज में वापसी हुई है। इससे पहले उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेलते देखा गया था। उनके वर्कलोड को देखते हुए उन्हें तीन वनडे मैचों की सीरीज में आराम दिया गया। अब वह एक बार फिर मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। वहीं, चयनकर्ताओं ने टीम ने तेज गेंदबाजी के लिए बुमराह के साथ अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को शामिल किया है।

अफ्रीका ने वनडे में किया तीसरा सबसे बड़ा रन चेज

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ के शतकों की मदद से 50 ओवर में पांच विकेट पर 358 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने एडेन मार्कराम के शतक और मैथ्यू ब्रिट्जके तथा डेवाल्ड ब्रेविस के अर्धशतकों की सहायता से 49.2 ओवर में छह विकेट खोकर 362 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ मेहमानों ने भारत से तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। अब दोनों टीमें 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में आखिरी और निर्णायक मुकाबले में आमने-सामने होंगी। वनडे में अफ्रीका का यह तीसरा सबसे बड़ा रन चेज है। इससे पहले टीम ने 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 372 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया था। उससे पहले टीम ने 2006 में ऑस्ट्रेलिया के ही खिलाफ 435 रन बनाकर जीत दर्ज की थी। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका के नाम अब 350 या उससे ज्यादा रन के तीन सफल रन चेज दर्ज हो गए हैं, जो इस प्रारूप में भारत के साथ सबसे ज्यादा हैं।

दिल्ली में बच्चों व बुजुर्गों का दम घुट रहा : सोनिया

कांग्रेस नेता बोलीं- प्रदूषण पर रोक का करें उपाय, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष का मोदी सरकार पर तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरुवार को केंद्र से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाने की मांग की और कहा कि बच्चे और बुजुर्ग इससे जूझ रहे हैं। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि कुछ करना सरकार की जिम्मेदारी है। छोटे बच्चे तो परेशान हैं ही, मेरे जैसे बुजुर्गों के लिए भी यह मुश्किल है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी इस मुद्दे को उठाया और आरोप लगाया कि कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं करना चाहता और जब प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाए जाएँगे तो वह केंद्र के साथ खड़ा रहेगा। कांग्रेस सांसद ने कहा कि हमें किस मौसम का आनंद लेना चाहिए? बाहर की स्थिति देखिए। जैसा कि सोनिया जी ने कहा, बच्चे साँस नहीं ले पा रहे हैं। उन्हें अस्थमा है और उनके जैसे वरिष्ठ नागरिकों को साँस लेने में कठिनाई हो रही है। स्थिति साल-दर-साल बदतर होती जा रही है। हर साल सिर्फ़ बयानबाज़ी होती है, कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। हम सभी ने कहा है कि सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए और हम सभी उनके साथ खड़े हैं। यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है कि हम एक-दूसरे पर उंगली उठाएँ।

विपक्षी सांसदों ने वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ संसद परिसर में किया प्रदर्शन

इससे पहले आज, विपक्षी सांसदों ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र के खिलाफ़ संसद परिसर में मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन किया। सांसदों को ऑक्सीजन मास्क पहने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए एक बैनर पकड़े देखा गया, जिस पर लिखा था, मौसम का मज़ा लीजिए। बैनर पर यह टिप्पणी संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन के बाद आई है, जिसमें उन्होंने यह बात कही थी।

मजदूर विरोधी नीतियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी : प्रियंका गांधी

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने चार नए श्रम संहिताओं को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार ने श्रमिकों के अधिकार छीन लिए हैं और उनके शोषण के नए रास्ते खोल दिए हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने आज श्रम संहिताओं के खिलाफ संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रियंका गांधी ने एक पोस्ट में कहा कि श्रमिकों को पहले दी गई सुरक्षा छीन ली गई है।प्रियंका गांधी ने कहा कि श्रम कानूनों को सरल बनाने के नाम पर केंद्र सरकार 4 नए श्रम संहिताएँ लेकर आई है। इस बहाने सरकार ने श्रमिकों के सभी अधिकार छीन लिए हैं। श्रमिकों को पहले दी गई सुरक्षा छीन ली गई है और उनके शोषण के नए रास्ते खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के ज़रिए नरेंद्र मोदी जी की पूंजीवाद समर्थक और मज़दूर विरोधी मानसिकता एक बार फिर सामने आ गई है। देश इन कानूनों को स्वीकार नहीं करता।केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने संसद में विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की आलोचना करते हुए कहा कि उनका मकसद मीडिया का ध्यान आकर्षित करना है क्योंकि उन्होंने जनता का समर्थन खो दिया है। उन्होंने कहा कि ये लोग ऐसी बातें सिर्फ़ मीडिया का ध्यान खींचने के लिए करते हैं क्योंकि जनता ने उन्हें नकार दिया है। संसद के बाहर वे अध्यक्ष के ख़िलाफ़ बोलते हैं; उनके पास ऐसी बातें करने के अलावा कुछ नहीं बचा है।

लालू परिवार को दिल्ली कोर्ट से मिली राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में बिहार के पूर्व सीएम और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के परिवार को बृहस्पतिवार को राहत मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मामले से जुड़े सीबीआई केस में लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव, मीसा भारती, हेमा यादव और दूसरे आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश टाल दिया है।

» लैंड फॉर जॉब केस में आरोप तय करने का आदेश टला

अदालत ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) से आरोपियों का स्टेटस वेरिफाई करने को कहा है, क्योंकि कुछ आरोपियों की कार्रवाई के दौरान मौत हो गई थी। कोर्ट ने सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट फाइल करने को कहा है और मामले की अगली सुनवाई 8 दिसंबर को तय की है। मालूम हो कि सीबीआई ने 103 लोगों को आरोपी के तौर पर चार्जशीट किया था। हालांकि, कार्रवाई के दौरान चार लोगों की मौत हो गई।

16 साल से लंबित एसिड अटैक मामले पर सुप्रीम कोर्ट हुआ सख्त

बोली शीर्ष अदालत- धीमी क्रिमिनल ट्रायल देश के लिए शर्म की बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष न्यायालय ने सभी हाई कोर्ट से देश में एसिड अटैक के सभी पेंडिंग ट्रायल की डिटेल्स देने को कहा है। वहीं, एसिड अटैक केस पर केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल ने सु प्रीमा कोर्ट को भरोसा दिलाया कि मामले को पूरी गंभीरता से लिया जाएगा।

दरअसल, स्ट ने 2009 के एसिड अटैक केस में से एक में दिल्ली कोर्ट में धीमी क्रिमिनल ट्रायल की आलोचना की। साथ ही इसको इसे नेशनल शेम बताया। एसिड अटैक से जुड़े मामलों के आंकड़े करने होंगे । गुरुवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरलों को लंबित एसिड अटैक मामलों से संबंधित आंकड़े प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। बता दें कि याचिकाकर्ता, जो खुद ही एक एसिड अटैक सर्वाइवर हैं और व्यक्तिगत रूप से पीठ के सामने उपस्थित हुईं। उन्होंने न्यायालय को बताया कि 2009 में उन पर हमला हुआ था, फिर भी मुकदमा अभी तक पूरा नहीं हुआ है।

16 साल से लंबित मामले पर स्ट ने आश्चर्य जताया उन्होंने बताया कि 2013 तक इस मामले में कुछ नहीं हुआ और अब दिल्ली के रोहिणी में चल रहा मुकदमा अंतिम चरण में है। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पिछले 16 साल से अधिक समय लंबी देरी पर आश्चर्य व्यक्त किया। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह अपराध 2009 का है और अभी तक मुकदमा पूरा नहीं हुआ है! अगर राष्ट्रीय राजधानी इन चुनौतियों का जवाब नहीं दे सकती, तो इससे कौन निपटेगा? यह व्यवस्था के लिए शर्म की बात है!

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिए निर्देश, कहा- कानून में बदलाव करने पर विचार करें

वहीं, याचिकाकर्ता ने बताया कि अपना केस लड़ने के साथ-साथ, वह अन्य एसिड अटैक सर्वाइवर्स की राहत के लिए भी काम कर रही हैं। सीजेआई ने मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से कहा कि वह मुकदमे में तेजी लाने के लिए आवेदन दायर करें। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कानून में बदलाव करने पर विचार करने को कहा ताकि एसिड अटैक सर्वाइवर्स को वेलफेयर स्कीम्स का फायदा देने के लिए डिसेबल्ड लोगों में शामिल किया जा सके।

इंडिगो की वजह से यात्री हुए परेशान,100 से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल, डीजीसीए ने बुलाई आपातकालीन बैठक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो की फ्लाइट में देरी की वजह से सुबह से ही कई पैसेंजर पुणे एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं। कई फ्लाइट अभी लेट चल रही हैं और बताया जा रहा है कि ठंड बढ़ने और खराब मौसम की वजह से ऑपरेशन में देरी हो रही है। बताया जा रहा है कि पैसेंजर देरी से नाराज़ हैं और उन्होंने अधिकारियों से इस मामले पर सफाई मांगी है।

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इंडिगो के अधिकारियों को मीटिंग के लिए बुलाया है। ऑपरेशनल दिक्कतों की वजह से देश भर में 100 से ज़्यादा उड़ानें कैंसिल हो गई हैं और कई उड़ानें देरी से चल रही हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब एविएशन बॉडी देश की सबसे बड़ी एयरलाइन के ऑपरेशनल मामलों की जांच कर रही है। गुरुवार सुबह, दिल्ली एयरपोर्ट पर 30 उड़ानें कैंसिल हुईं, जबकि कोलकाता में चार उड़ानें कैंसिल हुईं। कोलकाता में भी, ऑपरेशनल वजहों से इंडिगो की 24 उड़ानें, जिनमें से 10 आने वाली और 14 जाने वाली थीं, देरी से चल रही थीं। इनमें से दो इंटरनेशनल थीं, जो सिंगापुर और सिएम रीप, कंबोडिया जा रही थीं। यह नया मामला ऐसे समय में आया है जब इंडिगो पर देश भर में यात्रियों और शेड्यूल पर असर डाल रही मौजूदा अफरा-तफरी को दूर करने का दबाव बढ़ रहा है। बुधवार को, एयरलाइन ने स्टाफ की लगातार कमी के बीच अलग-अलग एयरपोर्ट पर 100 से ज़्यादा उड़ानें कैंसिल कीं और कई दूसरी उड़ानों में देरी की। ये कैंसलेशन दिल्ली (38), बेंगलुरु (42), मुंबई (33) और हैदराबाद (19) में हुए। नवंबर में, एयरलाइन ने 1,232 फ़्लाइट कैंसल कीं, साथ ही काफ़ी देरी भी हुई।

टीएमसी ने एमएलए हुमायूं कबीर को पार्टी से निकाला

» मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नाराजगी पड़ी भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हाल ही में बाबरी मस्जिद बनाने का एलान किया था। इनके इस फैसले को लेकर टीएमसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें सस्पेंड कर दिया है।

कोलकाता मेयर फिरहाद हकीम ने कहा कि मुर्शिदाबाद से हमारे एक एमएलए ने अचानक एलान किया कि वह बाबरी मस्जिद बनाएंगे। अचानक बाबरी मस्जिद क्यों? हमने उन्हें पहले ही चेतावनी दी थी। टीएमसी के फैसले के अनुसार हम एमएलए हुमायूं कबीर को सस्पेंड कर रहे हैं। बता दें कि टीएमसी विधायक ने 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद की नींव रखने की घोषणा की थी। हुमायूं कबीर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की नाराजगी भी बताई जाती है। जिसके बाद पार्टी ने उन्हें सस्पेंड करने का फैसला लिया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।